अब तक क्या सीखा (Learning and Writing Skill)

1. मौखिक

(क) बच्चे के मन में किस चीज़ की लालसा थी?
(ख) माँ ने बालक की ओर दीन दृष्टि से क्यों देखा?
(ग) बालक को किस पर विश्वास था?
(घ) बालक पूजा करने के लिए क्यों बैठ गया?
(ङ) बालक की हथेली पर क्या दमक रही थी?

2. लिखित

(क) बालक क्यों गुमसुम बैठा था?
(ख) बालक के मन में कैसे उत्साह उत्पन्न हुआ और क्यों?
(ग) अज़ान की आवाज़ सुनकर बालक के मन में क्या विचार आया?
(घ) पंसारी की दुकान पर बालक के साथ क्या हुआ? बताओ-
(ङ) इन वाक्यों का भाव अपने शब्दों में लिखो-
(i) आते-जाते वह ललचाई नज़रों से गुड़ की ओर देखता, फिर मन मसोसकर रह जाता।
(ii) वह आँख उठाकर कुछ देर दीन दृष्टि से उसकी ओर देखने लगी।

3. सही विकल्प चुनकर (✓) लगाओ-

(क) बालक के मन में एक-दो बार किसका ख्याल आया?
गुड़ खाने का ☐
माँ के बटुए से पैसा चुराने का ☑
पंसारी की दुकान से उधार गुड़ खरीदने का ☐

(ख) माँ बालक को किसका यकीन दिलाती थी?
ईश्वर के होने का ☑
अपनी गरीबी का ☐
अपनी दुर्बल हालत का ☐

(ग) बालक का चेहरा क्यों काला पड़ गया?
खपड़ा देखकर ☑
अठन्नी देखकर ☐
अंधेरा देखकर ☐

(घ) गाँव के सिरे पर क्या थी?
टोली ☐ झोंपड़ी ☐ मस्जिद ☑

4. उचित घटनाक्रम में लिखो-

(क) उसने ज़मीन पर हाथ मारा, ज़मीन ठंडी थी। 3

(ख) उसे लगा ईश्वर ने उसकी पुकार सुन ली है। 2

(ग) जब वह दुकान पर पहुँचा तो लालटेन जल चुकी थी। 4

(घ) ज्यों-ज्यों उनकी याद आती, उसके भीतर गुड़ खाने की लालसा और बढ़ती जाती। 1

• Oral and written expression • MCQs • Sequencing • Reasoning • Explanation

भाषा-ज्ञानी बनो (Language Skill)

1. पढ़ो और समझो-

रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं।

रचना के आधार पर
(Based on composition)

रूढ़ शब्द	यौगिक शब्द	योगरूढ़ शब्द
(Conventional words)	(Compound words)	(Compound and Conventional words)

(i) **रूढ़ शब्द** - परंपरागत एवं प्रचलित वे शब्द जिनका किसी विशेष अर्थों में प्रयोग किया जाता है, रूढ़ शब्द कहलाते हैं। इनके टुकड़े करने पर भी किसी सार्थक अर्थ की प्राप्ति नहीं होती है। जैसे- कोयल, सूरज, अंधेरा आदि।

(ii) **यौगिक शब्द** - 'यौगिक शब्द' का अर्थ है- 'योगों से बनने वाले नवीन शब्द' अर्थात् जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बने हों, यौगिक शब्द कहलाते हैं। इन यौगिक शब्दों के खंड करने पर भी सार्थक अर्थ की प्राप्ति होती है।
जैसे- विद्या + आलय = विद्यालय, फूल + दान = फूलदान आदि।

(iii) **योगरूढ़ शब्द**- दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बने यौगिक शब्दों का प्रयोग जब परंपरानुसार किन्हीं विशेष अर्थों के लिए किया जाता है, तब वे समस्त शब्द योगरूढ़ शब्दों की श्रेणी में आ जाते हैं। जैसे- नीलकंठ = नील + कंठ = नीला है कंठ जिनका, दशानन = दश + आनन = दस मुख वाला।

2. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखो-

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
प्रसाद	परसाद	कपोत	कबूतर
कूप	कुआँ	आम्र	आम

स्वर्णकार	सुनार	धूम्र	धुआँ
भ्राता	भाई	मातुल	मामा
विषाद	दुःख	नेत्र	नयन

3. दिए गए शब्दों के लिंग परिवर्तित करो-

ठाकुर	ठकुराइन	लोटा	लुटिया
साधु	साध्वी	चालक	चालिका
वर	वधू	पुजारी	पुजारिन
देव	देवी	धोबी	धोबिन
पूज्य	पूज्या	शिष्य	शिष्या

4. नीचे लिखे अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो-

दया व्यक्ति का एक अनुपम गुण है। दया द्वारा दोनों पक्षों को लाभ होता है। प्रथम जो दया दिखाता है और द्वितीय जिस पर दया दिखाई जाती है। दया के समान दूसरा कोई पुण्य नहीं है। दयावान व्यक्ति संसार में सैदव ही पूजे जाते हैं। हमें दया का गुण रखना चाहिए।

(i) दया व्यक्ति का कैसा गुण है? एक अनुपम

(ii) दया द्वारा किसको लाभ होता है? दोनों पक्षों का लाभ

(iii) दया करना पुण्य है या पाप? बहुत बड़ा पुण्य

(iv) संसार में सदैव कैसे व्यक्ति पूजे जाते हैं? दयावान

• Morphology • Gender • Comprehension • Reasoning • M.I.-Logical, Linguistic

करके देखो (Creative Skill)

- बालक ने पंसारी से गुड़ लेने से मना कर दिया था क्योंकि उसे किसी व्यक्ति की दया नहीं चाहिए थी। उस ईश्वर से माँगा था किसी मनुष्य से नहीं! दिए गए विवरण से तुम्हारे मन में बालक को लेकर कैसे विचार उत्प हुए? कक्षा में बताओ।
- 'ईश्वर पर विश्वास' विषय पर कक्षा में वार्ता आयोजित करो। इससे छात्रों में तर्क-वितर्क और बौद्धिक क्षमता विकास होगा।

• Group discussion • M.I.- Spatial, Logical, Interpersonal

Std - 6

Ch - 2

मौखिक :-

1. (क) बच्चे के मन में सफ़ेद गुड़ खाने की लालसा उत्पन्न हुई थी।

(ख) माँ के पास जब पैसे नहीं होती थी तो वह बालक को दीन दृष्टि से देखती थी।

(ग) बालक को अपने ईश्वर पर पूरा विश्वास था।

(घ) बालक की हथेली पर एक अठन्नी चमक रही थी।

2. (च) बालक सफ़ेद गुड़ खाने के लिए घर के अकेले कोने में पूजा करना बैठ गया।

लिखित :-

2. (क) बालक का मन सफ़ेद गुड़ खाने के लिए मचल गया था परंतु उसके पास गुड़ खरीदने के लिए पैसे नहीं थे और न ही माँ के पास पैसे थे कि वह उससे ले लेता और गुड़ खरीद लेता। इसी कारण वह चुपचाप गुमसुम बैठा था।

(ख) जब बालक गुड़ खाने के लिए बेचैन था तब उसे ईश्वर याद आया। ईश्वर का ख्याल आते ही वह खुश हो गया। क्योंकि वह जानता था कि ईश्वर सबसे अधिक ताकतवर है, वह सब जगह है और सब कुछ कर सकता है। तो क्या वह उसे थोड़ा-सा गुड़ नहीं दिला सकता? इस सोच व भाव से वह बहुत उत्साहित हो गया।

(ग) अज़ान की आवाज़ सुनकर उसके भीतर एक लहर-सी उठी, उसके पैर ठिठक गए, आँखें पूरी बन्द हो गईं और वह मन ही मन कह उठा कि "ईश्वर यदि तुम हो और अगर मैंने मन से तुम्हारी पूजा की है तो मुझे पैसे दो, यहीं इसी वक्त

(घ) पंसारी की दुकान पर पहुँचकर बालक ने अठन्नी पंसारी की गद्दी पर फेंकते हुए गुड़ माँगा अठन्नी गद्दी पर न गिरकर, घनिष्ठ के डिब्बे में गिर गई। पंसारी ने उसे डिब्बे में टटोला पर उसमें अठन्नी नहीं मिली। एक छोटा सा खपड़ा मिला जिसे पंसारी ने निकाल कर फेंक दिया। यह देखकर बालक का चेहरा बुझ गया।

(उ.) (i) रास्ते से गुजरते हुए वह हर बार लालच भरी नजर से गुड़ की ओर देखता, पर अपना मन मारकर रह जाता क्योंकि उसके पास पैसे नहीं थे।

(ii) जब बालक ने माँ से पैसे माँगे तो उसने बस एक दुख भरी नजर अपने बच्चे पर डाली और उसे देखती रही।

शब्दार्थ :- (NO - 1 to 10) Write in your book